भाकृअनुप
ICAR

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
की
वर्ष 2015 की

प्रमुख उपलब्धियां

• शोध • शिक्षा • प्रसार

नए अनुसंधान संस्थान-शिक्षा व शोध को बढ़ावा

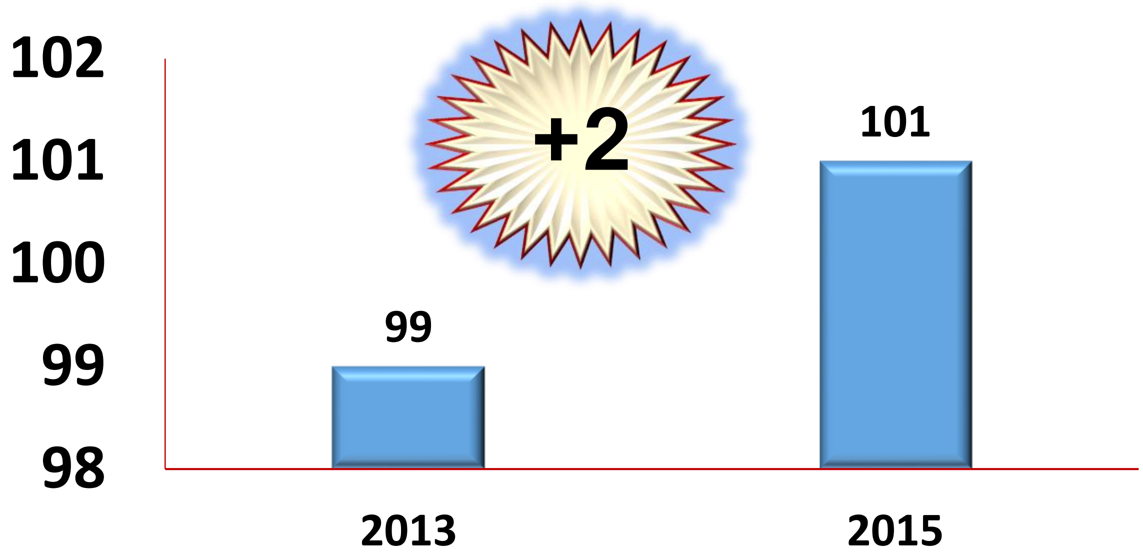

- बरही, झारखण्ड में पूसा संस्थान, नई दिल्ली की तर्ज पर नया कृषि अनुसंधान संस्थान
- मोतीहारी, बिहार मे राष्ट्रीय समेकित कृषि अनुसंधान केंद्र

कृषि शिक्षा का सुदृढ़ीकरण - 2015

2013-14 के मुक़ाबले कृषि शिक्षा के आवंटन मे लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि

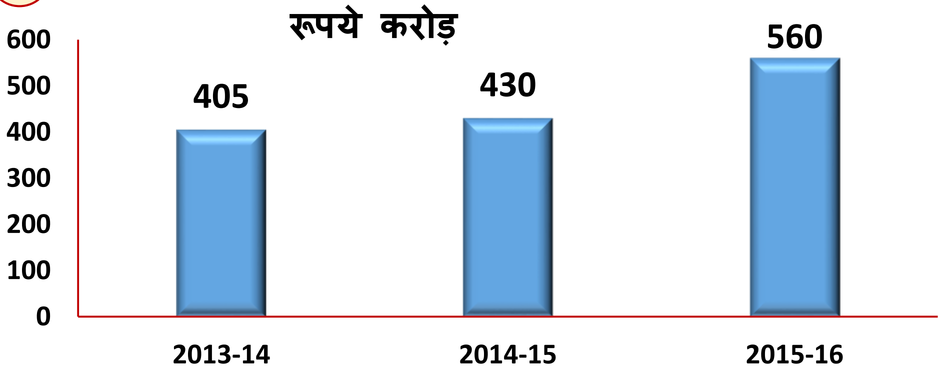

- **केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल के अंतर्गत 6 नये कॉलेज जिससे उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में कृषि कॉलेजों की संख्या 7 से बढ़कर 13 हो गई**
- **रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के अंतर्गत बुंदेलखंड मे चार नए कॉलेज**

आठ नए कृषि विश्वविद्यालय

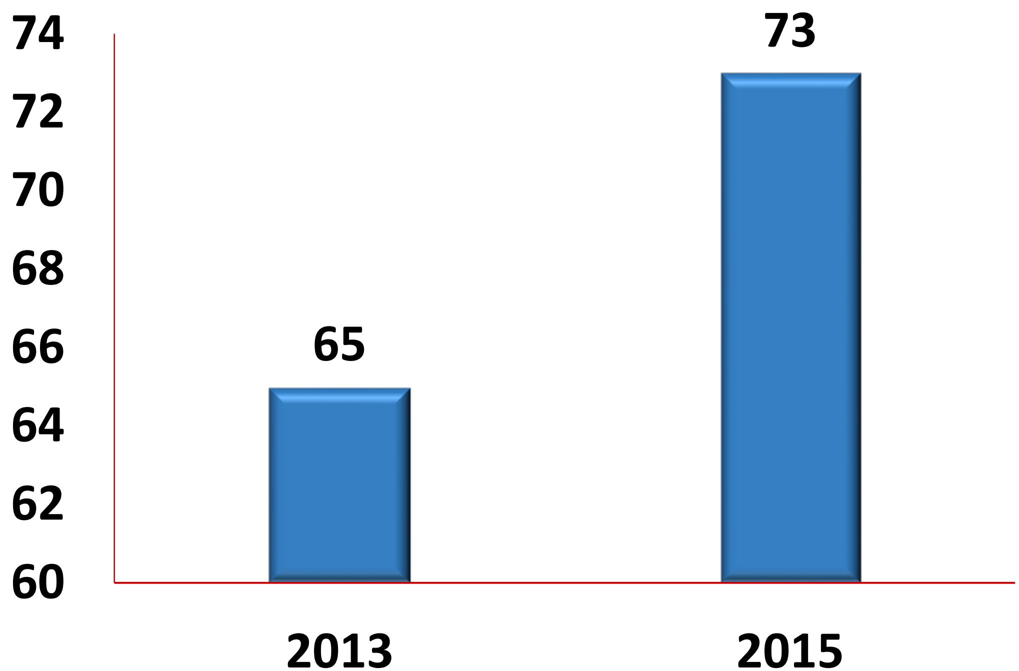

- विभिन्न राज्यों में उच्च कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आठ नए कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई

भा.कृ.अनु.प. द्वारा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में छात्रों का दाखिला (UG & PG)

41%

- उच्च कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने के कारण यूजी और पीजी स्तर पर कृषि छात्रों की संख्या में वृद्धि
- भा.कृ.अनु.प. द्वारा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में छात्रों के दाखिलों में 2013 के मुक़ाबले 41 प्रतिशत की वृद्धि

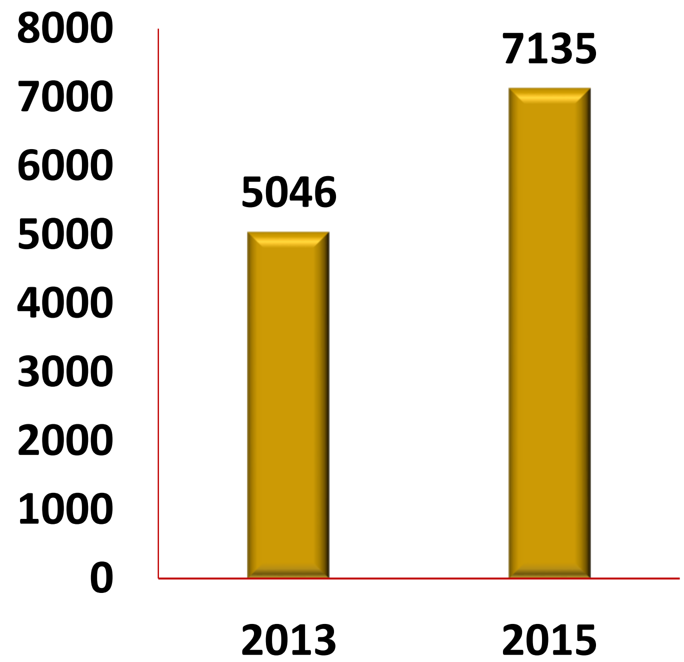

कृषि महाविद्यालयों मे अनुभवजन्य लर्निंग इकाइयां

- कृषि महाविद्यालयों में छात्रों को पढ़ाई के साथ कमाई का अवसर देने के लिए अनुभवजन्य लर्निंग इकाइयां की संख्या बढ़ाई गई
- 2013 के मुक़ाबले इनकी संख्या लगभग 50 प्रतिशत बढ़ी

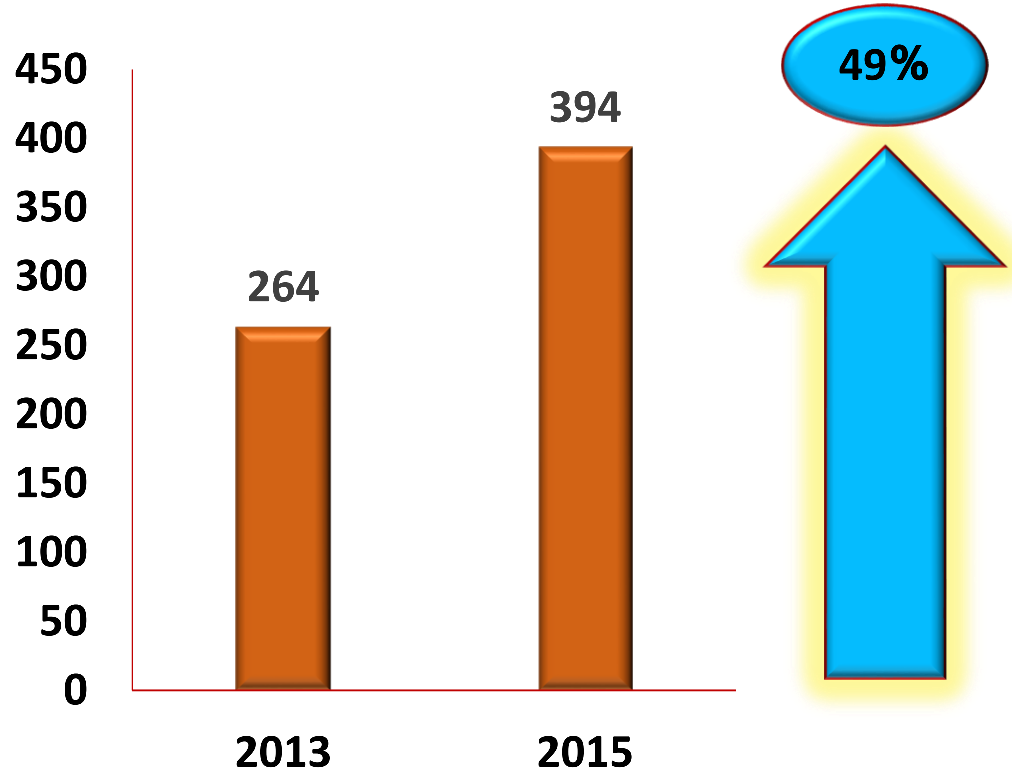

कृषि विज्ञान केन्द्रों की रिमॉडलिंग - 2015

कृषि प्रसार एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों की रिमॉडलिंग के लिए 3900 करोड़ रुपये

643 के वी के

‘कृषि विज्ञान केंद्र किसानों में विश्वास पैदा कर सकते हैं’

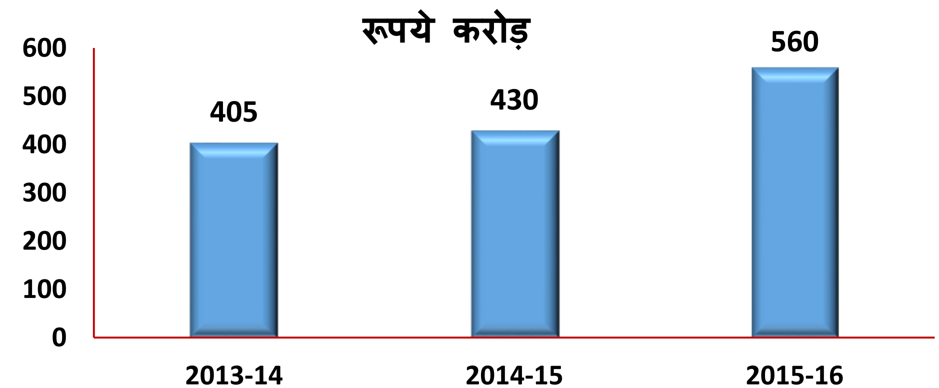

नई पहल

- कृषि विज्ञान केन्द्रों में स्टाफ की संख्या को 16 से बढाकर 22 किया गया
- 195 कृषि विज्ञान केन्द्रों में मृदा व जल नमूनों की जांच करने वाली प्रयोगशालाएं
- 183 कृषि विज्ञान केन्द्रों में वर्षाजल संग्रह ढांचा
- 221 कृषि विज्ञान केन्द्रों में बुनियादी कृषि प्रोसेसिंग सुविधाएं
- 119 कृषि विज्ञान केन्द्रों में लघु बीज प्रसंस्करण सुविधा

नए कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके)

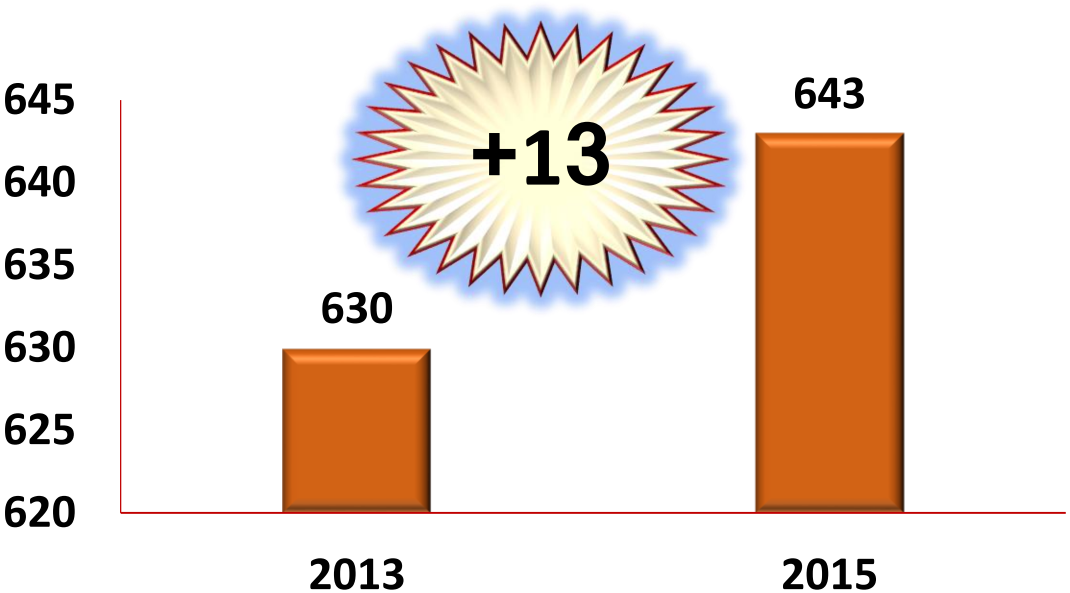

- किसानों के खेतों तक नई तकनीकों के प्रसार के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़ायी जा रही है
- बड़े जिलों में दो-दो कृषि विज्ञान केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं

कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) में स्टाफ की वृद्धि

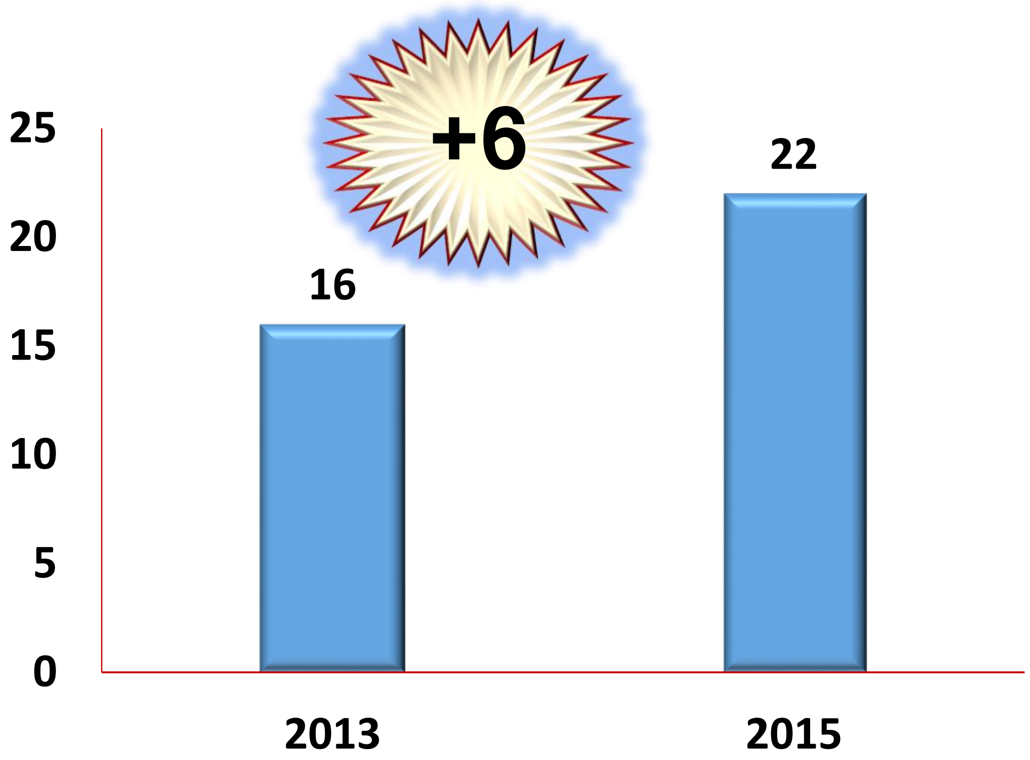

- किसानों को खेती से जुड़े नए विषयों की जानकारी देने तथा किसान –वैज्ञानिक संपर्क को मजबूत करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों में कार्मिकों की संख्या 16 से बढ़ा कर 22 की गई

तीन नए जोनल परियोजना निदेशालय (अटारी)

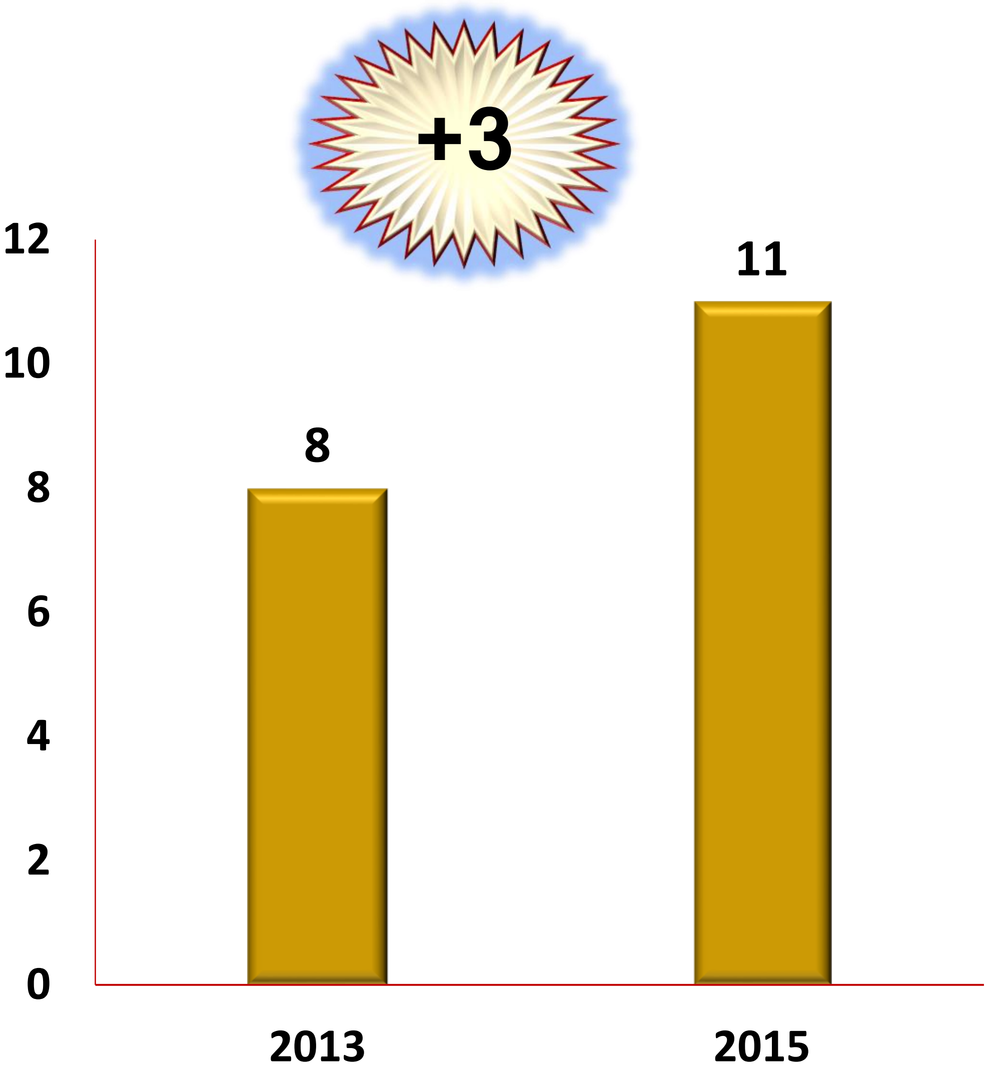

- कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्य को अधिक कुशल तथा प्रभावी बनाने के लिए जोनल परियोजना निदेशालय को कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग संस्थान (अटारी) के रूप मे उन्नत किया गया
- इनकी संख्या 8 से बढ़ाकर 11 की गई

नई उन्नत फ़सल किस्में विकसित

- अनाज, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों की अधिक उपज देने वाली किस्मों के विकास पर ज़ोर
- वर्ष 2013 के मुकाबले 60 प्रतिशत अधिक किस्में विकसित की गई
- ये किस्में अधिक पोषक, रोग रोधक, जलवायु अनुकूल, अगेती पकने वाली जैसे गुणों से युक्त हैं

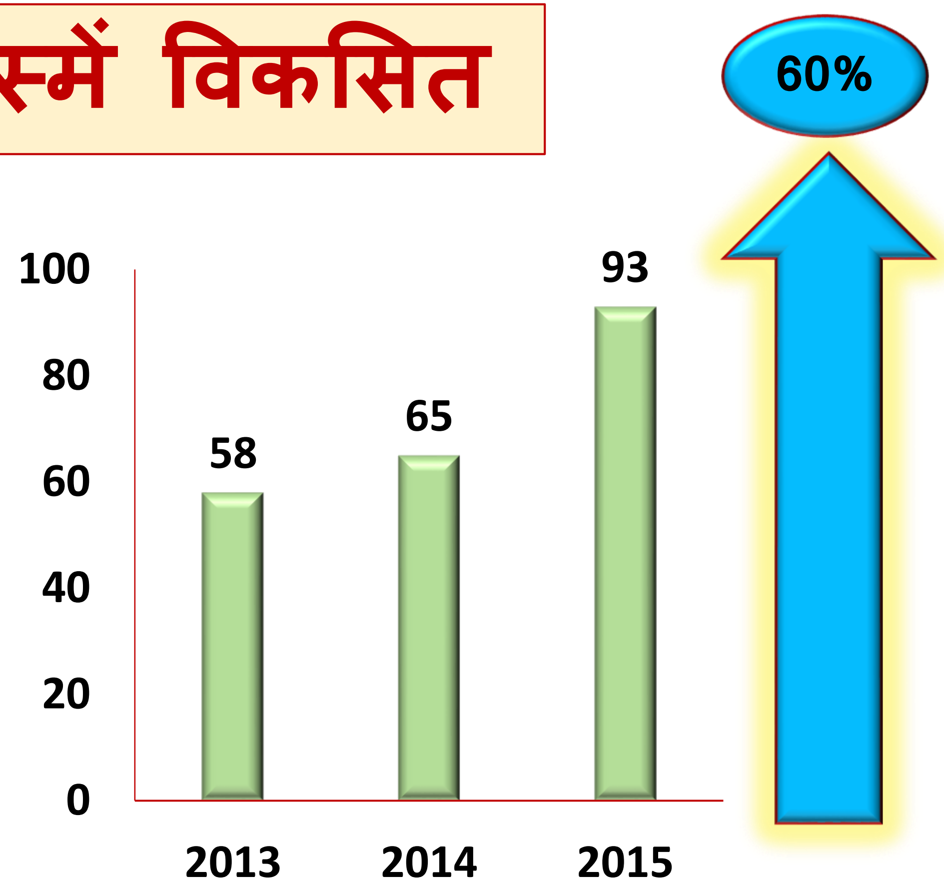

दलहन और तिलहन का उत्पादन बढ़ाने पर विशेष जोर

नई पहल

- दलहन और तिलहन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रयास शुरू किए गए
- 300 जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्रों ने देश के विभिन्न भागों मे दलहनी फसलों की उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन किया
- 200 जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्रों ने देश के विभिन्न भागों में तिलहनी फसलों की उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन किया
- कुल मिला कर 60,000 एकड़ क्षेत्र पर प्रदर्शन किए गए
- किसानों को बीज, अन्य इनपुट तथा तकनीकी सहायता प्रदान की गई

जिला स्तर पर नई आकस्मिक योजनाएं

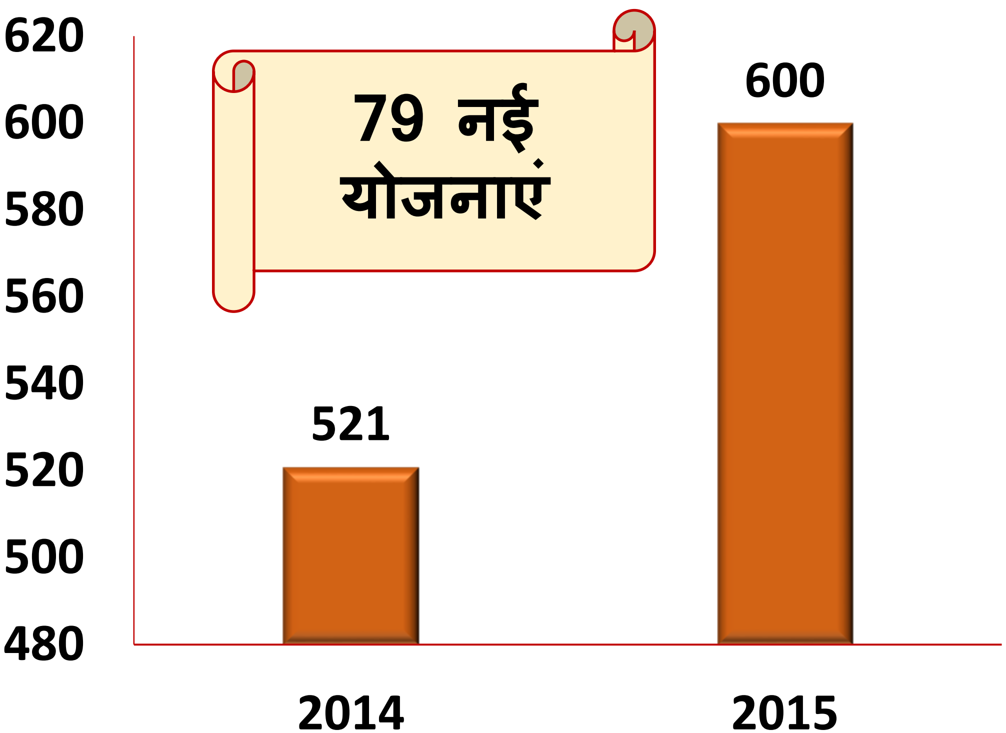

- **सूखा, बाढ़, ओला, पाला, तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव कम करने तथा किसानों की आजीविका सुरक्षित रखने के लिए जिला स्तर पर नई आकस्मिक योजनाएं बनाई गईं**
- **2015 में 79 नई योजनाएं बनाकर कुल 600 जिलों में इन्हें लागू किया गया**
- **सभी योजनाओं को किसानों और वैज्ञानिकों के विचार-विमर्श से सुधारा गया**

नए कृषि उपकरणों का विकास

- खेती में कार्यकुशलता बढ़ाने तथा लागत को कम करने के लिए नए कृषि उपकरणों के प्रोटोटाइप का विकास
- वर्ष 2013 के मुकाबले इनकी संख्या बढ़ कर दोगुनी हो गई
- इससे कठिन श्रम में बचत के साथ खेती का काम समय पर करना आसान हुआ

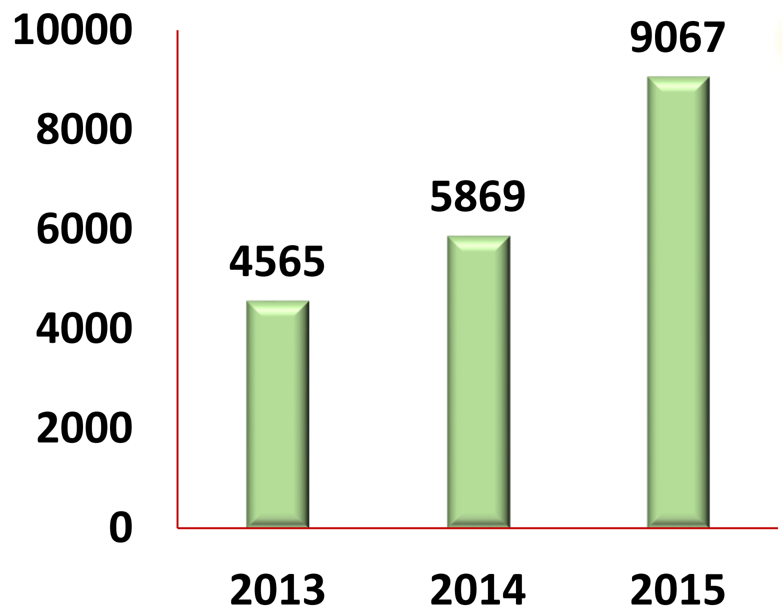

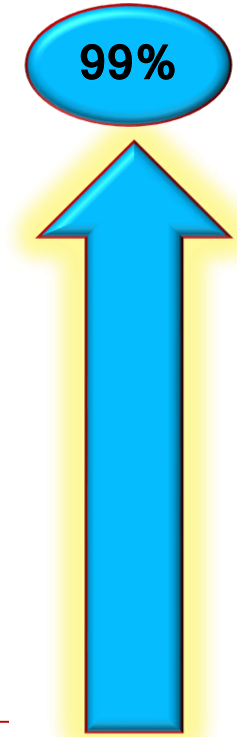

भा.कृ.अनु.प. द्वारा प्रजनक बीज की आपूर्ति

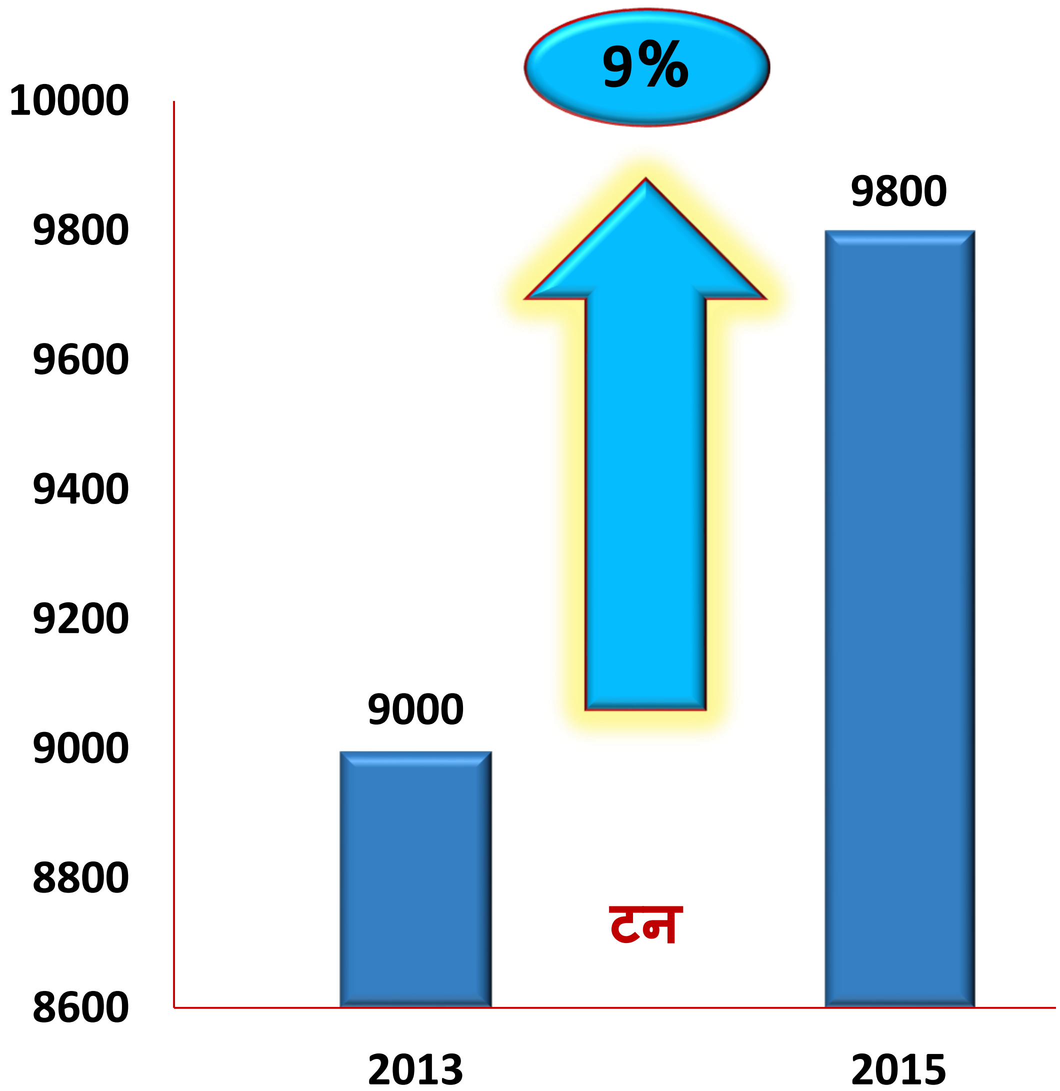

- किसानों तक बेहतर और प्रामाणिक बीजों को पहुंचाने के लिए विभिन्न फसलों के प्रजनक बीज उत्पादन के प्रयास को जोर दिया गया
- इससे बीजों की गुणवत्ता एवं उत्पादन मात्रा में वृद्धि हुई

विश्व मृदा दिवस
5 दिसम्बर, 2015

- 607 कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं 80 भाकृअनुप के संस्थानों / राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में आयोजित
- 2.5 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड तैयार कर वितरित किए गए

स्वस्थ धरा खेत हरा

- खेतों पर मिट्टी की तुरन्त जांच तथा उर्वरक सिफ़ारिश के लिए मृदा परीक्षक किट विकसित
- मिट्टी की जांच का कार्य देशभर में तेजी से चल रहा है

भा॰कृ॰अनु॰प॰ के संस्थानों और कृषि विज्ञान केन्द्रों में कृषक जागरूकता सप्ताह (23-29 दिसम्बर, 2015) का आयोजन

- भारत सरकार किसानों के कल्याण के लिए विज्ञान के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध
- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना द्वारा हर खेत को पानी की सुविधा
- किसानों को मोबाइल फोन पर एसएमएस द्वारा वैज्ञानिक सलाह
- फसलों की जलवायु अनुकूल किस्मों का विकास
- प्रयोगशाला से खेत तक कार्यक्रम को बढ़ावा

2015 में नई पहल

- मेरा गाँव - मेरा गौरव
- विजन 2050
- फार्मर फर्स्ट
- स्टूडेन्ट रेडी
- आर्या (ARYA)
- एग्रीटेक दूरदर्शिता केन्द्र
- कंसोर्शिया अनुसंधान प्लेटफार्म
- बाह्य वित्त सहायता
- राष्ट्रीय कृषि विज्ञान निधि
- राष्ट्रीय कृषि शिक्षा परियोजना
- विद्यालयों में कृषि शिक्षा

आगामी लक्ष्य ....

- असम में आईएआरआई की स्थापना
- पूसा, बिहार आरसीएयू को सीएयू के रूप में विकसित करना
- बारापानी, मेघालय में सीएयू की स्थापना
- 109 नए केवीके की स्थापना